

ब्रजभाषा-आदिवाणी
श्रीयुगल-शतक



रचयिता—
श्रीनिवासदास पीठाधीश्वर—
श्रीनिवासदास पीठाधीश्वर—

प्रकाशक—
म० पं० श्रीब्रजविहारीशरण